

**Date:** 06-10-2021

**Publication:** The Political and Business Daily

**Edition:** Odisha

# CIL, NALCO to set up ₹23,363 cr brown field aluminium project

**TATHYA**

BHUBANESWAR, OCT 5

NAVARATNA CPSE National Aluminum Company Limited (NALCO) and coal major Coal India Limited (CIL) have decided to go for brownfield aluminum projects with an investment of Rs.23,363 crore.

The CIL has planned a diversi-

aluminum project with TPP and an integrated mine 1 MTPA refinery, 0.5 MTPA smelter and 1600 MW TPP will be set up.

A special purpose vehicle (SPV) is to be promoted by CIL, said the sources.

SPV would be off-loaded after reaching critical phase and the bid may be on ultra mega power project (UMPP) model, where CIL will retain 26 percent equity stake.

The proposed investment is for Rs.26,200 crore refinery and smelter and Rs. 12,000 crore ther-

mal power project, said the sources.

Officials said that CIL is diversifying its activities and joining hands with other major CPSUs for this purpose and has chalked out plans to diversify considering the future restriction on carbon emission, which is inevitable.

The CIL has chosen a new business area for diversification where carbon emission is much less.

Several business areas for diversification have been considered, which include solar wafer manufacturing, solar power generation, surface coal gasification, coal bed methane, greenfield aluminum project and Integrated thermal power plant and brown field aluminum project in JV with NALCO.

fication programme under which such an initiative is being taken for a futuristic approach.

The Joint Venture (JV) between the two major CPSUs envisages Rs.23,363 crore investment for 3 million ton Bauxite mining; one MTPA alumina t and 0.5 MTPA aluminum projects along with a 1600 MW thermal power plant.

The CIL and NALCO will jointly set up the smelter at estimated investment of Rs.12,000 crore and CIL to set up the TPP at an estimated investment of Rs. 11,363 crore, said official sources.

Similarly, another green field aluminum project and integrated thermal power plant are also underway.

Efforts are on to locate the sites for the proposed green field



**Date:** 06-10-2021  
**Publication:** Mint  
**Edition:** Bengaluru

# Coal India is set to accrue benefits from tight supply and rising prices

Ujjval Jauhari  
ujjvalj@livemint.com

Shares of Coal India Ltd have gained more than 35% since 1 September, returning to pre-covid levels. This is partly due to the broad optimism in the equity market, but investors also note an improvement in outlook for the company.

A strong rebound in thermal power demand during the current fiscal has been fuelling demand for coal. The surge in coal prices coupled with the company's efforts to raise production has meant that earnings prospects are upbeat. The company's production and dispatches for September remained reasonably strong despite being impacted by monsoon.

Dispatches were up 3.6% year-on-year for the month and 20.6% year-on-year for the April-September period. Excess inventories that Coal India had at the start of the year have also reduced. The demand for coal is expected to remain strong because coal stockpiles at power plants have declined significantly (almost 73% over the past year), according to analysts.

This left nearly 121 gigawatts (GW) of generation capacity with stockpiles of a week or less during the second half of September. Coal stockpiles have plunged to the lowest in nearly three years, point out analysts at

Antique Stock Broking Ltd. Limited supplies and rising prices of other energy sources such as natural gas are expected to keep coal demand robust.

With strong power sector demand, e-auction premiums are also expected to move up. Coal India had fetched about 10% premium on notified prices during the June quarter (Q1FY22). But the rise in e-auction pre-

**Coal India has been attempting to replace imported coal volumes from its own supplies to drive growth**

mium was 30% in just the month of August.

Part of this is due to rising international coal prices. Globally, the price of coal has surged owing to an increase in natural gas prices and tight coal supplies in China. Coal futures have already touched \$240 a tonne, with gains of more than 170% during the year. The increase in global coal prices will not only support Coal India's e-auction prices but will also curtail cheap coal imports into the country.

As such, the firm has been attempting to replace imported coal volumes from its own supplies to drive growth. Also, Coal India has been contemplating raising the prices for coal being supplied under the fuel supply agreement. Rising coal prices can support its case. Price hikes are essential if Coal India has to offset the expected rise in its wage bill.

Analysts at Antique Stock Broking note that the wage hike, which is due from July this year, is likely to cost the firm ₹10,000 crore. To limit the impact on margin, the company will need a price hike of 14% or a higher proportion of e-auction with premiums. The higher proportion of more profitable e-auctions can compensate if fuel supply agreement price hikes are less.

## Favourable uptick

A strong demand, rising dispatches and better realizations from the e-auction are likely to boost Coal India's earnings.

(in million tonnes)



SATISH KUMAR/MINT

**Date:** 08-10-2021

**Publication:** Dainik Bhaskar

**Edition:** Nagpur

## कोल इंडिया ऊर्जा जरूरत की आपूर्ति सुनिश्चित करता रहेगा

■ प्रमोद अग्रवाल ने पाथाखेड़ा क्षेत्र की तवा-2 खदान में कंटीन्यूअस माइनर पैकेज का शुभारंभ किया

नागपुर | कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के पाथाखेड़ा क्षेत्र की तवा-2 भूमिगत खदान में कंटीन्यूअस माइनर पैकेज का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड देश की ऊर्जा आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए सदैव तत्पर है। वेकोलि के अध्यक्ष-सह-प्रबन्ध निदेशक



मनोज कुमार ने पाथाखेड़ा क्षेत्र को निकट भविष्य में और आधुनिक तकनीक से संचालित उपकरण दिए जाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर निदेशक

(कार्मिक) कोल इंडिया विनय रंजन, वेकोलि के निदेशक डॉ. संजय कुमार, अजित कुमार चौधरी, आर. पी. शुक्ला, बबन सिंह, सीवीओ अमित कुमार श्रीवास्तव, डीएम बैतूल अमनवीर सिंह वैस, एम. के. सिंह, ईडी सीआईएल और चेयरमैन के टीएस, पाथाखेड़ा क्षेत्र के महाप्रबंधक सोमेंद्र कुंडू, संचालन समिति और कल्याण मंडल के सदस्यगण शिव कुमार यादव, सी. जे. जोसफ, सौरभ दुबे, अशोक नामदेव, कामेश्वर राय एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारीगण और खनन कर्मी विशेष रूप से उपस्थित थे।

Date: 09-10-2021

Publication: Dainik Bhaskar

Edition: Nagpur

# कोल इंडिया ऊर्जा की आपूर्ति करेगा सुनिश्चित : अग्रवाल

## पाथाखेड़ा क्षेत्र की तवा-2 खदान में कंटीन्यूअस माइनर पैकेज का शुभारंभ



नागपुर|कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के पाथाखेड़ा क्षेत्र की तवा-2 भूमिगत खदान में कंटीन्यूअस माइनर पैकेज का शुभारंभ किया। श्री अग्रवाल ने कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड देश की ऊर्जा आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए सदैव तत्पर है। वेकोलि के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार ने पाथाखेड़ा क्षेत्र को निकट भविष्य में और आधुनिक तकनीक से संचालित उपकरण दिए जाने का आश्वासन दिया और आशा व्यक्त की कि यथाशीघ्र पाथाखेड़ा क्षेत्र अपने पुराने गौरव को हासिल कर सकेगा। उल्लेखनीय है कि इस मशीन से तवा-2 खदान कोयला उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान करेगी। कार्यक्रम में विनय रंजन, निदेशक (कार्मिक) कोल इंडिया, वेकोलि के निदेशक डॉ. संजय कुमार, अजित कुमार चौधरी, आर.पी. शुक्ला, बबन सिंह,

सीवीओ अमित कुमार श्रीवास्तव, डीएम बैतूल अमनबीर सिंह बैस, एम.के. सिंह, ईडी सीआईएल और चेयरमैन के टीएस, पाथाखेड़ा क्षेत्र के महाप्रबंधक सौमंद कुंडू, संचालन समिति और कल्याण मंडल के सदस्य शिव कुमार यादव, सी.जे. जोसफ, सौरभ दुबे, अशोक नामदेव, कामेश्वर राय एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और खनन कर्मी विशेष रूप से उपस्थित थे। यह नई सौगात मिलने पर सभी में उत्साह देखने को मिला। कोल इंडिया कॉर्पोरेट गीत से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्वागत संबोधन निदेशक तकनीकी (पी एंड पी) बबन सिंह ने किया। संचालन और आभार प्रदर्शन सलाहकार (जनसंपर्क) एस.पी. सिंह ने किया। समारोह का यू-ट्यूब पर सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें कम्पनी कर्मी एवं उनके परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में जुड़े।

Date: 10-10-2021  
Publication: Nai Duniya  
Edition: Bilaspur

## इस माह के अंत तक सामान्य हो जाएगी कोयले की आपूर्ति : अग्रवाल

### ●कोयला आपूर्ति की स्थिति क्या तक सामान्य हो जाएगी?

- कोयले की आपूर्ति बढ़ने के साथ ही हम उम्मीद करते हैं कि यह संकट खत्म हो जाएगा और हमें आशा है कि इस माह के अंत तक सब कुछ सामान्य हो जाएगा। अक्टूबर में पिछले चार दिनों से हम बिजली क्षेत्र को प्रतिदिन 14.5 लाख टन कोयले की आपूर्ति कर रहे हैं और हम इसमें धीरे-धीरे बढ़ोतरी करके इस आपूर्ति को 16.5 लाख टन तक ले जाएंगे। कोयले के रोजाना उठाव में भी इजाफा हुआ है और अब यह 17.5 लाख टन के स्तर तक पहुंच गया है।

### ●अखिर कोयले का संकट इस स्तर तक गहराया ही क्यों, जबकि देश में कोयले का खाना सुरक्षित भंडार है?

- इसे हम कोयले का संकट नहीं कह सकते हैं। यह वह स्थिति है जहां कोयले की आपूर्ति के मुकाबले मांग अचानक से बढ़ गई। अगर देखा जाए तो चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी इस वर्ष अप्रैल-सितंबर अवधि

पिछले एक माह से देश में कोयले का संकट चल रहा है और कई राज्य बिजली के बड़े संकट के मुहाने पर दिख रहे हैं। कई प्लांट के पास कोयले का कोई स्टॉक नहीं है और वे योजना की आपूर्ति पर बिजली उत्पादन के लिए निर्भर हैं। देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी की स्थिति भी ठीक नहीं है। संकट को दूर करने के लिए अब सबकी निगाहें कोयले इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) पर टिकी हैं, जो देश के कोयला उत्पादन में 80 फीसद से अधिक की हिस्सेदारी रखती है। कोयले इंडिया भी उत्पादन और आपूर्ति को सामान्य करने में जुटी है। इन मुद्दों पर कोयले इंडिया के सीएमडी प्रमोद अग्रवाल से दैनिक जागरण के विशेष संवाददाता राजीव कुमार की बातचीत के अंश :



साक्षात्कार

में हमने 24.6 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति बिजली क्षेत्र को की है, जो इस अवधि में बिजली क्षेत्र को होने वाली अब तक की सबसे अधिक आपूर्ति है। इसके बावजूद कोयले की काफी अधिक मांग निकल रही है।

### ●फिर बिजली प्लांट के पास कोयले का स्टॉक खत्म क्यों हो गया, आप कैसे जिम्मेदार मानते हैं?

- जहां तक बिजली संयंत्रों में कोयले का स्टॉक कम होने का सवाल है तो उसके और भी कई कारण हैं। सबसे

पहला कारण है कि यह अनुमान नहीं लगाया जा सका था कि बिजली की मांग अचानक इतनी अधिक बढ़ जाएगी। आर्थिक गतिविधियों में तेजी के कारण अगस्त के दूसरे सप्ताह से कोयले की जबरदस्त मांग होने लगी। दूसरी वजह यह रही कि आयातित कोयले की कीमत में भारी बढ़ोतरी हो गई। इस कारण देश में आयातित कोयले से चलने वाले बिजली प्लांट ने उत्पादन घटा दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि घरेलू कोयले

पर आधारित बिजली प्लांट पर उत्पादन का बोझ बढ़ गया और वे अधिक कोयले की मांग करने लगे। अमुमन बिजली प्लांट हर साल अप्रैल और जून के दौरान कोयले का अतिरिक्त भंडारण करते हैं। लेकिन इस वर्ष वैश्विक कोरोना महामारी की वजह से यह संभव नहीं हो सका। वहीं, सितंबर के दौरान मानसून की बारिश के कारण पूर्वी और मध्य भारत में खनन प्रभावित रहा। अगर इनमें से कोई एक भी वजह

नहीं होती तो बिजली प्लांट में कोयले की स्टॉक स्थिति निश्चित रूप से बेहतर होती।

### ●अब क्या आपको लगता है कि अक्टूबर में मांग के मुताबिक कोयले का उत्पादन होने लगेगा?

- हरवित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल-सितंबर के मुकाबले दूसरी छमाही यानी अक्टूबर से अगले वर्ष मार्च तक की अवधि में कोयले का अधिक उत्पादन होता है। पिछले चार दिनों से कोयले के उत्पादन में बढ़ोतरी हो रही है और प्रतिदिन का उत्पादन स्तर 11.54 लाख टन पर पहुंच गया है। इसमें अभी और बढ़ोतरी होगी। इस बार कोयले की असामान्य मांग है जो अभी जारी रह सकती है इसलिए हम अधिक उत्पादन के जरिए इसकी आपूर्ति की तैयारी में हैं।

### ●चालू वित्त वर्ष में कोयला उत्पादन का क्या अनुमान है?

- चालू वित्त वर्ष के लिए 67 करोड़ टन का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि हमारा अनुमान है कि हम 65 करोड़ टन तक का उत्पादन करेंगे।

**Date:** 11-10-2021

**Publication:** The Times of India

**Edition:** New Delhi

## **Output ramped up: Coal India arms**

**T**he subsidiary companies of Coal India Limited (CIL) in Jharkhand said their production and dispatch have been ramped up to meet the needs of the power sector. The seven subsidiary companies of CIL have dispatched 15.66 lakh tonnes of coal each day during October. It dispatched 17.11 lakh tonne coal on Saturday through roadways and railway rakes. Of the total, 14.14 lakh tonne coal was dispatched to the power sector. "In another 10-15 days, our supply will get better," CCL's chairman & MD PM Prasad said.

**Date:** 11-10-2021  
**Publication:** Dainik Jagran  
**Edition:** Asansol

# कोल इंडिया का दावा देश में बिजली संयंत्रों के लिए भरपूर है कोयला

**संवाद सहयोगी, सांख्यिकी :** कोयला मंत्रालय ने आश्वासन दिया है कि बिजली संयंत्रों की मांग को पूरा करने के लिए देश में पर्याप्त कोयला उपलब्ध है। बिजली आपूर्ति बाधित होने की आशंका पूरी तरह गलत है। बिजली संयंत्र के मुताबिक कोयले का स्टॉक लगभग 72 लाख टन है, जो 4 दिनों की आवश्यकता के लिए पर्याप्त है और कोल इंडिया लिमिटेड के पास 400 लाख टन से अधिक है, जिसे बिजली संयंत्रों को आपूर्ति की जा रही है। कोयला कंपनियों से मजबूत आपूर्ति के आधार पर इस वर्ष (सितंबर 2021 तक) घरेलू कोयला आधारित बिजली उत्पादन में लगभग 24 फीसदी की वृद्धि हुई है।

बिजली संयंत्रों में कोयले की दैनिक औसत आवश्यकता लगभग 18.5 लाख टन प्रतिदिन है जबकि दैनिक कोयले की आपूर्ति लगभग 17.5 लाख टन प्रतिदिन है। विस्तारित मानसून के कारण प्रेषण बाधित था। बिजली संयंत्रों में उपलब्ध कोयला एक रोलिंग स्टॉक है जिसकी भरपाई कोयला कंपनियों से दैनिक आधार पर आपूर्ति द्वारा की जाती है।

## राहत की बात

- बिजली संयंत्र के मुताबिक 72 लाख टन वचा है कोयला
- कोल इंडिया ने कहा- 400 लाख टन से अधिक कोयला की आपूर्ति

इसलिए, बिजली संयंत्र द्वारा कोयले के स्टॉक के घटने का कोई डर गलत है। वास्तव में इस वर्ष घरेलू कोयले की आपूर्ति ने आयात को एक महत्वपूर्ण उपाय द्वारा प्रतिस्थापित किया है। कोयला क्षेत्रों में भारी बारिश के बावजूद, सीआईएल ने इस वर्ष बिजली क्षेत्र को 255 मीट्रिक टन से अधिक आपूर्ति की थी, जो कि सीआईएल से बिजली क्षेत्र को अब तक सबसे अधिक एच-1 आपूर्ति है।

सभी स्रोतों से कोयले की आपूर्ति में से, सीआईएल से बिजली क्षेत्र को वर्तमान में प्रति दिन 14 लाख टन से अधिक कोयले की आपूर्ति की गई है और घटती बारिश के साथ, यह आपूर्ति पहले ही बढ़कर 15 लाख टन हो गई है और अक्टूबर 2021 के तक यह 16 लाख टन प्रतिदिन से अधिक बढ़ने की संभावना है। एससीसीएल

और कैपिटल कोयला ब्लॉकों से आपूर्ति प्रतिदिन तीन लाख टन से अधिक कोयले देगी। भारी मानसून, कम कोयले के आयात और आर्थिक सुधार के कारण बिजली की मांग में भारी वृद्धि के बावजूद घरेलू कोयले की आपूर्ति ने बिजली उत्पादन को बढ़े पैमाने पर समर्थन दिया है।

कोयले की उच्च अंतरराष्ट्रीय कीमतों के कारण, आयात आधारित बिजली संयंत्रों द्वारा पीपीए के तहत भी बिजली आपूर्ति करीब 30 फीसद कम हो गई है। जबकि घरेलू आधारित बिजली आपूर्ति इस वर्ष की पहली छमाही में लगभग 24 फीसदी बढ़ गई है। आयातित कोयला आधारित बिजली संयंत्रों ने 45.7 बीयू के एक कार्यक्रम के मुकाबले लगभग 25.6 बीयू उत्पन्न किया है। उल्लेखनीय है कि देश के तापीय संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति के साथ देश में कोयले की आरामदायक स्थिति इस तथ्य से परिलक्षित होती है कि सीआईएल एल्युमिनियम, सीमेंट, स्टील आदि जैसे गैर-विद्युत उद्योगों की मांग को पूरा करने के लिए प्रतिदिन 2.5 लाख टन से अधिक की आपूर्ति कर रहा है।